

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
डा० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा, समस्तीपुर (बिहार)-८४८१२५

बुलेटिन संख्या-४६

दिनांक- शुक्रवार,, १७ जुलाई, २०२०



विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः ३४.६ एवं २२.५ डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता ८७ प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में ६० प्रतिशत, हवा की औसत गति १२.० कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण २.८ मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन ७.० घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा ५ से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में २८.६ एवं दोपहर में ३३.८ डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में ५.४ मि०मी० वर्षा रिकार्ड हुई।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

(१८-२२ जुलाई, २०२०)

- ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी १८-२२ जुलाई तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसार:-
- उत्तर बिहार के जिलों में अगले दो दिनों तक अधिकांश स्थानों में आमतौर पर मौसम शुष्क रहने की सम्भावना है। उसके बाद वर्षा की सक्रियता में वृद्धि हो सकती है जिसके कारण तराई तथा मैदानी भागों के जिलों में हल्की से मध्यम वर्षा हो सकती है। २१ जुलाई को तराई के एक-दो स्थानों पर भारी वर्षा भी हो सकती है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान ३२ से ३५ डिग्री सेल्सियस एवं न्यूनतम तापमान २५-२७ डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है।
- पूर्वानुमानित अवधि में पूरवा हवा चलने का अनुमान है। औसतन १०-१५ कि०मी० प्रति घंटा की रफ्तार से हवा चलने की संभावना है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में ८० से ६० प्रतिशत तथा दोपहर में ६० से ७० प्रतिशत रहने की संभावना है।

समसामयिक सुझाव

- धान की रोपाई प्राथमिकता के आधार पर करें। धान की फसल में खरपतवार नियंत्रण के लिए रोपाई के २-३ दिन बाद तथा एक सप्ताह के अन्दर ब्यूटाक्लोर (३ लीटर दवा प्रति हेक्टेयर) या प्रीटलाक्लोर (१.५ लीटर दवा प्रति हेक्टेयर) या पेन्डीमिथेलीन (३ लीटर दवा प्रति हेक्टेयर) का ५००-६०० लीटर पानी में घोल बनाकर एक हेक्टेयर क्षेत्र में छिड़काव करें।
- उच्चोस जमीन में अरहर की बुआई करें। बुआई के समय प्रति हेक्टेयर २० किलो नेत्रजन, ४५ किलो स्फुर, २० किलो पोटाश तथा २० किलो सल्फर का व्यवहार करें। बहार, पूसा ६, नरेद्र अरहर १, मालवीय-१३, राजेन्द्र अरहर-१ किस्में बुआई के लिए अनुशंसित हैं। बीज दर १८-२० किलो प्रति हेक्टेयर रखें। बुआई के २४ घंटे पूर्व २.५ ग्राम थीरम दवा से प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचार करें। बुआई के ठीक पहले उपचारित बीज को उचित राईजोबियम कल्चर से उपचारित कर बुआई करनी चाहिए।
- मिर्च का बीज उथली क्यारियों में गिराये। इसके लिए उन्नत प्रभेद पंत मिर्च-३, कृष्णा, अर्का लोहित, पूसा ज्वाला, पूसा सदाबहार, पंजाब लाल, काशी अनमोल तथा संकर किस्में अग्नि रेखा, कल्याणपुर चमन, कल्याणपुर चमत्कार, बी०एस०एस०-२६७ अनुशंसित हैं। उन्नत किस्मों के लिए बीज दर १ से १.५ किलोग्राम प्रति हेक्टेयर तथा २०० से ३०० ग्राम संकर किस्मों के लिए रखें। क्यारियों की चौड़ाई एक मीटर तथा लम्बाई सुविधानुसार ३-४ मीटर रखें। बीज को गिराने से पूर्व थायरम ७५ प्रतिशत दवा से बीजोपचार करें।
- आम के पौधों की उम्र (१० वर्ष से अधिक) के अनुसार फलन समाप्त होने के बाद अनुशंसित उर्वरको जैसे १५-२० किलोग्राम सड़ी गोबर की खाद, १.२५ किलोग्राम नेत्रजन, ३००-४०० ग्राम फॉस्फोरस, १.० किलोग्राम पोटाश, ५० ग्राम बोरेक्स तथा १५-२० ग्राम थाइमेट प्रति पौधा प्रति वर्ष के अनुसार उपयोग करें। जिससे अगले वर्ष पौधे फलन में आ सकें तथा उनका श्वास्थ अच्छा बना रहें।
- लीची के लिए, मई के अन्त में पकने वाली किस्में जैसे देशी, शाही, अर्ली वेदाना, देहरारोज, पूर्वी तथा रोज सेण्टेड, जून के आरंभ में पकने वाली किस्में जैसे- कसवा, सबौर वेदाना, चाईना तथा लेट वेदाना, जून के मध्य में पकने वाली किस्में जैसे- कसैलिया, लौंगिया, स्वर्णरुपा, सबौर मधु, सबौर प्रिया आदि हैं। उपजाऊ मिट्टी में १० * १० मीटर की दुरी पर पौधों की रोपाई करें।
- केला की रोपाई करें। उत्तर बिहार में लम्बी किस्मों के लिए अलपान, चम्पा, कंथाली, मालभोग, चिनियाँ, शक्कर चिनियाँ, फिआ-२३ तथा बौनी एवं खाने वाली किस्मों के लिए ग्रैडनेन, रोबस्टा, बसराई, फिआ-१ अनुशंसित हैं। सब्जी वाली किस्में बतीसा, सावा, बनकेल, कचकेल, फिआ-३ तथा सब्जी एवं फल दोनों में उपयोग आने वाली किस्में कोटियाँ, मुटियाँ, दुधसागर एवं चकिया अनुशंसित हैं। लम्बी जातियों में पौधा से पौधा की दुरी २.० मीटर है एवं बौनी जातियों में १.५ मीटर रखें।
- सब्जियों में आवश्यकतानुसार निकाई-गुड़ाई करें तथा लाही, सफेद मक्खी व चूसक कीड़ों की निगरानी करें। इन कीट का प्रकोप दिखाई देने पर बचाव के लिए इमिडाक्लोप्रिड दवा का ०.३ मी.ली. प्रति लीटर पानी की दर से घोल कर फसल में छिड़काव करें।
- किसान भाई गौशाला में रात के समय नीम की पत्तियों का धुआं करें ताकि मच्छर तथा मक्खियों के प्रवेश पर नियंत्रण हो सके। पशुओं के निवास स्थान की साफ-सफाई करते रहे।

आज का अधिकतम तापमान: ३६.५ डिग्री सेल्सियस,
सामान्य से ३.८ डिग्री अधिक

आज का न्यूनतम तापमान: २४.८ डिग्री सेल्सियस,
सामान्य से १.० डिग्री कम

(डॉ० गुलाब सिंह)
तकनीकी पदाधिकारी

(डॉ० ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी